Nuclear Energy Workshop for Media Professionals

Organized by:

Vigyan Prasar, Department of Science & Technology, Govt. of India

Date & Venue: 02 Feb. 2013

Regional Science City, Lucknow (U.P.)

Nuclear Energy Workshop for Media Professionals

Contd…

- Vigyan Prasar in association with Regional Science City, Lucknow organized Nuclear Energy workshop for media professionals in the 5th Science Expo.

- The main objective to organize the event was to create awareness among the media professionals, bring them face to face with practicing scientists and also to motivate them about choosing science as their specialised field.

Nuclear Energy Workshop for Media Professionals

Contd….

Students and teachers participating **in the workshop**

Among the Participants:

- **Journalists and media professionals.**
- **Also, students and Direct Institutes of Education and Training Teachers.**
- **Science Communicators**
- **General Public**

Inaugural Session

- The welcome address of the workshop was given by Sh. Nimish Kapoor, Scientist, Vigyan Prasar.

- In his address he introduced the dignitaries and the motive of the workshop on Nuclear Energy for media professionals.

Invited speakers on the dais during the workshop (From L to R)
Sh. P.K. Srivastava, Senior Scientist, CSIR-CDRI, Sh. V.K. Joshi, Former Director, GSI and Dr. C.M. Nautiyal, Assistant Director, BSIP

- Dr. C.M. Nautiyal addressing the audience during the workshop. He emphasized the need of clean and green energy.

  He said today a crisis is not as much of energy as of environment. This is not enough to generate energy but also to do it with minimal damage to the environment

He pointed out:

- Requirement of clean fuel.
- Accidents can happen anywhere anytime.
- He gave surprising data more than 1,25,000 persons died in road accidents and more than 5 lakh injured in 2009 in India.
- Nuclear energy is one of the best source of energy.

- Sh. V.K. Joshi giving lecture to the listeners about Nuclear Energy.

  He urged the need of 'Green and Clean Energy'. He gave a message *'Hame Chahiye Swachch Urja'*.

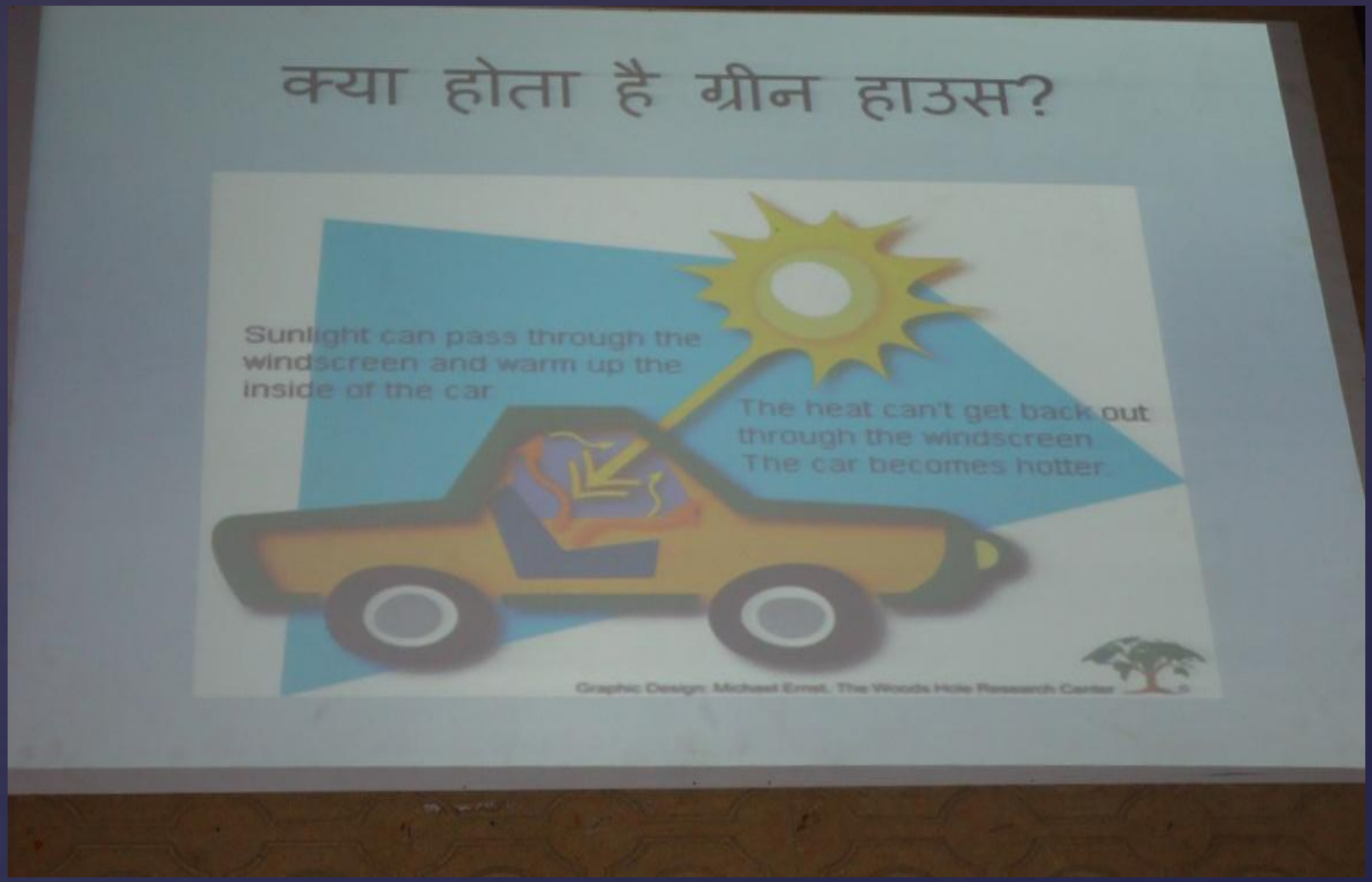

He pointed out:

Use of fossil fuels cause pollution.

- We need cleaner energy and Nuclear Energy satisfies all the requirements.
- He gave example of Singroli and Sonabhadra where there is immense water pollution due to operational thermal power plants.

- Sh. P.K. Srivastava, Scientist, CSIR-CDRI, as carrying his tradition forward, gave a new dimension to the discussion by showing photographs of Narora Atomic Power Plant.

- He screened a green picture of the Nuclear Power Plant where there is rich vegetation and wild life.

He pointed out:

- It is just a myth that there is heavy dose of radiation in and around the nuclear power plants.
- A green picture of the Nuclear Power Plant where there is rich vegetation and wild life.
- The photographs clicked by he himself and his team members tell a different story.

- Sh. Nimish Kapoor during his lecture on peaceful uses of Nuclear Energy gave an account where Nuclear Energy is being used for benefits of mankind.

- He particularly mentioned medical and agriculture field where Nuclear Energy is used.

- He pointed out:
- Mutant varieties of various crops have been developed with the help of irradiation.
- These types of crops have longer shelf-life, easy to store and healthy for consumption.
- Use of isotopes in Medical field.

Memento Presentation

Dr. C.M. Nautiyal presenting memento to Sh. V.K. Joshi

Sh. V.K. Joshi presenting memento to Sh. Pradeep K. Srivastava

Valedictory Session

- The workshop was concluded by Sh. Nimish Kapoor.
- He gave vote of thanks to the invited speakers for not only giving lecture but also quenching the thirst of the curious minds present in the auditorium.

Activities by Vigyan Prasar

Poster display by Vigyan Prasar on Nuclear Energy

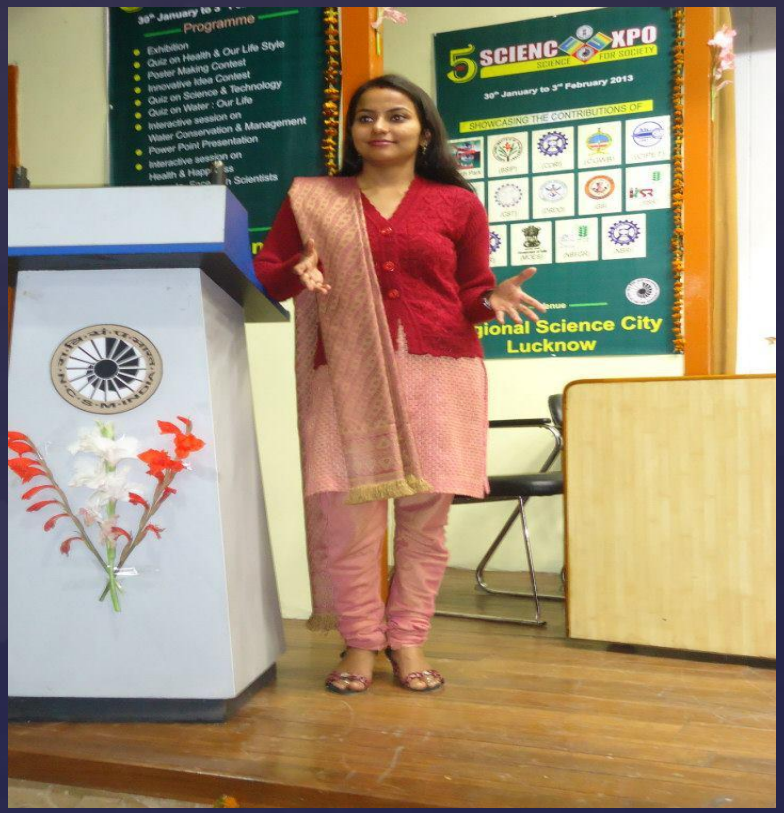

Quiz competition on 'energy conservation' conducted by Vigyan Prasar for Under graduate Students

Media Coverage

Rastriya Sahara

www.samaylive.com
राष्ट्रीय सहारा
सच कहने की हिम्मत
राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण
देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ | शनिवार • 2 फरवरी • 2013

नाभिकीय ऊर्जा से डरने की जरूरत नहीं : डा. पीके श्रीवास्तव

लखनऊ (एसएनबी)। नाभिकीय ऊर्जा से डरने की जरूरत नही बल्कि उसको जानने की जरूरत है। लोगों में भ्रम है नाभिकीय ऊर्जा के रेडिएशन से नुकसान होता है, लेकिन यह भ्रम जानकारी के अभाव में होता है। यह बात सीडीआरआई के वैज्ञानिक डा. पीके श्रीवास्तव ने कही। वह आंचलिक विज्ञान नगरी में विज्ञान प्रसार व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित नाभिकीय ऊर्जा पर विज्ञान संचार कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने नरोरा परमाणु पॉवर प्लांट का चित्र दिखते हुए कहा कि अगर वहां रेडिएशन निकलता तो वहां पेड़ पौधे नष्ट हो गये थे, लेकिन वहां हरियाली है। बीएसआईपी के वैज्ञानिक डा. सीएम नौटियाल ने कहा कि ऊर्जा के कई स्रोत हैं लेकिन नाभिकीय ऊर्जा पर्यावरण के लिए सबसे अधिक सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि पॉवर प्लांटों में सुरक्षा के बेहतर व्यवस्था होती है, इसलिए दुर्घटनाओं की आशंका बहुत कम है। जीएसआई के पूर्व निदेशक वीके जोशी ने कहा कि हमें पर्यावरण को स्वच्छ रखना है तो परमाणु ऊर्जा को अपनाना ही होगा। कार्यशाला को विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक निमिश कपूर ने भी संबोधित किया और नाभिकीय ऊर्जा को मित्र बताया।

Amar Ujala

लखनऊ । शनिवार । 2 फरवरी 2013

अमर उजाला

अलग सोचने पर होती है नई खोज

साइंस एक्सपो में विशेषज्ञों ने बच्चों से किया आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में चल रहे पांचवें साइंस एक्सपो के तीसरे दिन विशेषज्ञों ने कहा कि कुछ अलग दिशा में सोचने पर ही नई खोज होती है। इसके साथ ही मानव की कार्यकुशलता बढ़ती है। हमेशा नई सोच व उत्साह से किसी भी विषय की तह में जाना चाहिए।

विज्ञान तकनीकी और नवीनता विषय पर आयोजित सत्र में डॉ. निमिष कपूर ने भारत सरकार द्वारा घोषित विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं संरचना नीति 2013 के बारे में भी बताया इसका उद्देश्य राष्ट्रहित है। डॉ. डीके श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से कहा कि वे कृषि के क्षेत्र में नव परिवर्तन लाएं जिससे कृषि जो कि देश के विकास का आधार है उसको उन्नत किया जा सके। उन्होंने जैव खेती का उदाहरण देते हुए बताया कि जैव खाद के उपयोग जैसे विचार को महत्व देना चाहिए।

छोड़ें सब भय भ्रांति, नाभिकीय ऊर्जा नई क्रांति

लखनऊ। आंचलिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं आंचलिक विज्ञान नगरी संयुक्त तत्वावधान में 'नाभिकीय ऊर्जा' विषय पर शुक्रवार को एक विज्ञान संचार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने कहा कि समाज में नाभिकीय ऊर्जा को लेकर कई प्रकार के भय एवं भ्रांतियां हैं। इनको दूर करना बहुत जरूरी है। वैज्ञानिक डॉ. सीएम नौटियाल ने कहा कि वैसे तो ऊर्जा कई स्रोतों से मिल सकती है लेकिन ऐसी ऊर्जा पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होनी चाहिए। साथ ही ये ऊर्जा कम लागत में बननी चाहिए। इन सभी जरूरतों के मद्देनजर नाभिकीय ऊर्जा हर कसौटी पर खरी उतरती है। जहां तक न्यूक्लियर पॉवर प्लांट में दुर्घटनाओं का सवाल है तो दुर्घटना कभी भी कहीं भी घट सकती है। कार्यशाला में वीके जोशी, पूर्व निदेशक, जीएसआई ने ऊर्जा के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। सीडीआरआई के डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव ने नरोरा परमाणु पॉवर प्लांट में मौजूद हरियाली एवं जैव विविधता को तस्वीरों के जरिये दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि यहां विकिरण का खतरा होता तो इतने जीव एवं पेड़ - पौधे यहां पनप नहीं रहे होते। विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक निमिष कपूर ने नाभिकीय ऊर्जा के शांतिपूर्ण अनुप्रयोगों पर चर्चा की। उन्होंने कृषि एवं चिकित्सा में इस्तेमाल हो रही नाभिकीय ऊर्जा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कि नाभिकीय ऊर्जा से न्यूट्रेनट फसलें तैयार होती हैं जो कम समय में अधिक पैदावार देती है। इसलिए नाभिकीय ऊर्जा मित्र है न कि शत्रु।

डॉ. आर.डी गौड़ ने कहा कि वर्तमान की सभी तकनीकियां पूर्व में हुए नवीनीकरण का परिणाम है। आज के नव प्रवर्तन से भविष्य की प्रौद्योगिकी विकसित हो सकती है। उन्होंने कहा कि नवीनीकरण की कोई आयु नहीं होती। कृषि यंत्रों, मशीनों, यातायात साधनों, हर्बल औषधियों आदि के क्षेत्र में होने वाले नवीनीकरण से कृषि उत्पादकता बढ़ सकती है। कार्यशाला के बाद विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवीनता पर एक प्रेरजेंटशन भी दिखाया गया।

Shri Times

66 पृष्ठ : 16+4 लखनऊ : 02 फरवरी, 2013 दिन : शनिवार माघ कृष्ण 6 संवत् : 2069

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

श्री टाइम्स

बेहतर सोच बेबाक ख़बरें

छोड़ो भय भ्रांति, नाभिकीय ऊर्जा नई क्रांति

सीनियर रिपोर्टर

'नाभिकीय ऊर्जा' विषय पर कार्यशाला

लखनऊ। समाज में नाभिकीय ऊर्जा को लेकर कई प्रकार के भय एवं भ्रांतियाँ हैं। इन्हीं भय एवं भ्रांतियों को दूर करने का एक प्रयास किया गया विज्ञान प्रसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'नाभिकीय ऊर्जा' विषय पर एक विज्ञान संचार कार्यशाला में। कार्यशाला में डॉ. सी. एम. नौटियाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, बी. एस. आई. पी. ने कार्यशाला में नाभिकीय ऊर्जा की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने ने कहा वैसे तो ऊर्जा कई स्रोतों से मिल सकती है लेकिन ऐसी ऊर्जा पर्यावरण के लिए हानिकारक नही होनी चाहिए। साथ ही ये ऊर्जा कम लागत में बननी चाहिए। इन सभी ज़रूरतों के मद्देनज़र नाभिकीय ऊर्जा हर कसौटी पर खरी उतरती है। जहां तक न्युक्लियर पावर प्लान्ट में दुर्घटनाओं का सवाल है दुर्घटना कभी भी कहीं भी घट सकती है।

कार्यशाला में वी. के. जोशी, पूर्वनिदेशक, जी. एस. आई. ने ऊर्जा के इतिहास को बताया। उन्होंने कहा कि हमें चाहिए स्वच्छ ऊर्जा लेकिन ऐसा नहीं है कि सभी स्रोतों से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा स्वच्छ एवं सुरक्षित है ऐसे कई उदाहरण है जो ये साबित करते हैं कि दुर्घटना हर जगह व्यास है। साइनटून के जनक डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी. एसई. आई. आर-सी. डी. आर. आई. ने नरोरा परमाणु पावर प्लान्ट में भी हरीयाली एवं जैव-विविधता को तस्वीरों के ज़रिये दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि यहां विकिरण का खतरा होता तो इतने जीव एवं पेड़-पौधे यहां नहीं पनप रहे होते। विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक निमिष कपूर ने नाभिकीय ऊर्जा के शान्तिपूर्ण अनुप्रयोगों पर बात की। उन्होंने कृषि एवं चिकित्सा में इस्तेमाल हो रही नाभिकीय ऊर्जा कि चर्चा की उन्होंने बताया कि नाभिकीय ऊर्जा के द्वारा म्यूटेनट फ सलें तैयार हैं , जो कम समय में अधिक पैदावार देती है। इसलिए नाभिकीय ऊर्जा हमारी मित्र है ना कि शत्रु है।

Aadikaal

हिन्दी दैनिक

आदिकाल

लखनऊ, बरेली व रायबरेली से प्रकाशित ...आपकी पहचान

छोडों सब भय भ्रांति, नाभिकीय ऊर्जा है नई क्रांति

लखनऊ। आज समाज में नाभिकीय ऊर्जा को लेकर कई प्रकार के भय एवं भ्रांतियाँ हैं। इन्हीं भय एवं भ्रांतियों को दूर करने का एक प्रयास किया गया।

विज्ञान प्रसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'नाभिकीय ऊर्जा' विषय पर एक विज्ञान संचार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में वैज्ञानिकों, मीडियाकर्मियों, विभिन्न संस्थाओं से आये अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

डॉ. सी. एम. नौटियाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, बी. एस. आई. पी. ने कार्यशाला में बोलते हुए नाभिकीय ऊर्जा की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने ने कहा वैसे तो ऊर्जा कई स्रोतों से मिल सकती है लेकिन ऐसी ऊर्जा पर्यावरण के लिए हानिकारक नही होनी चाहिए। साथ ही ये ऊर्जा कम लागत में बननी चाहिए।

इन सभी ज़रूरतों के मद्देनज़र नाभिकीय ऊर्जा हर कसौटी पर खरी उतरती है। जहां तक न्युक्लियर पावर प्लान्ट में दुर्घटनाओं का सवाल है दुर्घटना कभी भी कहीं भी घट सकती है।

कार्यशाला में श्री वी. के. जोशी, पूर्वनिदेशक, जी. एस. आई. ने ऊर्जा के इतिहास को बताया। 'हमें चाहिए स्वच्छ ऊर्जा' नारे को उद्बोधित किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है की अन्य स्रोतों से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा स्वच्छ एवं सुरक्षित है ऐसे कई उदाहरण है जो ये साबित करते हैं कि दुर्घटना हर जगह व्याप्त है।

साइनटून के जनक डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी. एस. आई. आर-सी. डी. आर. आई. ने नरोरा परमाणु पावर प्लान्ट में मौजूद हरीयाली एवं जैव-विविधता को तस्वीरों के ज़रिये दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि यहां विकिरण का खतरा होता तो इतने जीव एवं पेड़-पौधे यहां नहीं पनप रहे होते।

विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक श्री निमिष कपूर ने नाभिकीय ऊर्जा के शान्तिपूर्ण अनुप्रयोगों पर बात की। उन्होंने कृषि एवं चिकित्सा में इस्तेमाल हो रही नाभिकीय ऊर्जा कि चर्चा की उन्होंने बताया कि नाभिकीय ऊर्जा के द्वारा म्यूटेनट फसलें तैयार जो कम समय में अधिक पैदावार देती है। इसलिए नाभिकीय ऊर्जा हमारी मित्र है ना कि शत्रु है।

वि P V प्र

Awadh Prant

अवध प्रान्त

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

t.com लखनऊ, शनिवार, 02 फरवरी 2013 : वर्ष 1: अंक 143 : पौष कृष्ण पक्ष षष्ठी संवत 2069 विक्रमी : पृष्ठ 16: मूल्य :

नाभिकीय ऊर्जा है नई क्रांति

लखनऊ ब्यूरो

समाज में नाभिकीय ऊर्जा को लेकर कई प्रकार के भय एवं भ्रांतियां हैं। इन्हीं भय एवं भ्रांतियों को दूर करने का एक प्रयास किया गया। विज्ञान प्रसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'नाभिकीय ऊर्जा' विषय पर एक विज्ञान संचार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में वैज्ञानिकों, संस्थाओं से आये अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

डॉ. सीएम नौटियाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, बीएसआईपी ने कार्यशाला में बोलते हुए नाभिकीय ऊर्जा की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ने कहा वैसे तो ऊर्जा कई स्रोतों से मिल सकती है लेकिन ऐसी ऊर्जा पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होनी चाहिए। साथ ही ये ऊर्जा कम लागत में बननी चाहिए। इन सभी जरूरतों के मद्देनजर नाभिकीय ऊर्जा हर कसौटी पर खरी उतरती है। जहां तक न्युक्लियर पावर प्लान्ट में दुर्घटनाओं का सवाल है दुर्घटना कभी भी कहीं भी घट सकती है।

कार्यशाला में वीके जोशी, पूर्वनिदेशक, जीएसआई ने ऊर्जा के इतिहास को बताया। 'हमें चाहिए स्वच्छ ऊर्जा' नारे को उद्घोषित किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है की अन्य स्रोतों से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा स्वच्छ एवं सुरक्षित है ऐसे कई उदाहरण है जो ये साबित करते हैं कि दुर्घटना हर जगह व्याप्त है। साइनट्न के जनक डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर सीडीआरआई ने नरोरा परमाणु पावर प्लान्ट में मौजूद हरीयाली एवं जैव-विविधता को तस्वीरों के जरिये दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि यहां विकिरण का खतरा होता, तो इतने जीव और पेड़-पौधे यहां नहीं पनप रहे होते।

विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक निमिष कपूर ने नाभिकीय ऊर्जा के शान्तिपूर्ण अनुप्रयोगों पर बात की। उन्होंने कृषि एवं चिकित्सा में इस्तेमाल हो रही नाभिकीय ऊर्जा कि चर्चा की उन्होंने बताया कि नाभिकीय ऊर्जा के द्वारा म्यूटेनट फसलें तैयार जो कम समय में अधिक पैदावार देती है। इसलिए नाभिकीय ऊर्जा हमारी मित्र है ना कि शत्रु है।